भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. **+1510**

सोमवार, **01** जुलाई, 2019/**10** आषाढ़, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन द्वारा सृजित रोजगार

+**1510.** डॉ॰ प्रीतम गोपीनाथ राव मुंडेः

श्री श्रीरंग आप्पा बारणेः

डॉ॰ श्रीकांत एकनाथ शिंदेः

श्री विनायक भाऊराव राऊतः

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देलः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या पर्यटन क्षेत्र ने भारत की जीडीपी में **9** प्रतिशत और इसके कुल रोजगार में **8** प्रतिशत का योगदान किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत चार वर्षों के दौरान पर्यटन क्षेत्र में कितने रोजगार सृजित किए गए हैं;

(ग) क्या विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद् के अनुसार एशिया-प्रशांत क्षेत्र में आने वाले विदेशी पर्यटकों में से मात्र **5** प्रतिशत ही भारत आते हैं;

(घ) क्या पर्यटन क्षेत्र में और अधिक व्यय किए जाने की आवश्यकता है; और

(ङ) यदि हां, तो सरकार की इस संबंध में क्या प्रतिक्रिया है और सरकार द्वारा भारत में अधिक विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं**?**

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री **(**स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) और (ख) : पर्यटन सेक्टर ने वर्ष 2016-17 के दौरान देश के सकल घरेलू उत्पाद में 5.06**%** का (प्रत्यक्ष+अप्रत्यक्ष) अनुमानित योगदान किया है। वर्ष 2017-18 के दौरान पर्यटन से रोजगार का अनुमानित हिस्सा (प्रत्यक्ष+अप्रत्यक्ष) 12.38**%** रहा। वर्ष 2014-15 से 2017-18 के दौरान पर्यटन से अनुमानित 13.92 मिलियन अतिरिक्त रोजगार (प्रत्यक्ष+अप्रत्यक्ष) सृजित हुये हैं।

(ग) : जी, नहीं।

(घ) और (ड.) : पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2017-18 और 2018-19 के दौरान पर्यटन क्षेत्र पर अपनी प्लान योजना के अन्तर्गत क्रमशः 1687.06 करोड़ रुपये तथा 1986.04 करोड़ रुपये व्यय किए हैं। वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान इस सेक्टर के लिए योजना स्कीम के अन्तर्गत बजट अनुमान 2075.12 करोड़ रुपये है।

पर्यटक स्थलों का विकास एवं संवर्धन करना मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय देश में विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में अपने विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों को शामिल करते हुए भारत का एक समग्र गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है। मंत्रालय ने पर्यटक आगमनों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें अन्य के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:-

- स्वदेश दर्शन, तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) पर राष्ट्रीय मिशन की योजनाओं के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को केंद्रीय वित्तीय सहायता तथा देश में पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए केंद्रीय अभिकरणों को सहायता।
- 167 देशों के नागरिकों को ई-वीज़ा सुविधा का विस्तार।
- विषय वस्तु सृजन तथा बाजार विशिष्ट संवर्धनात्मक योजनाओं के साथ अतुल्य भारत 2.0 अभियान का आरंभ।
- भारत के बारे में एक पर्यटक गंतव्य के रूप में और अधिक सूचना प्रदान करने के उद्देश्य से अतुल्य भारत वेबसाइट का पुनर्निमाण।
- हिंदी और अंग्रेजी सहित 12 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में **24x7** टोल फ्री बहु-भाषीय पर्यटक हेल्पलाइन का आरंभ।
- पूरे विश्व के देशों में आयोजित किए जाने वाले प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय यात्रा मार्ट के अनुरूप भारत के लिए वार्षिक ग्लोबल पर्यटन मार्ट का आयोजन । यह पर्यटन तथा आतिथ्य उद्योगों के सभी हितधारकों के लिए विचार-विमर्श तथा व्यापार अवसरों का लेन-देन करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध कान्क्लेव का आयोजन।
- पूर्वोत्तर राज्यों में पर्यटन के संवर्धन के लिए वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट का आयोजन।
- यात्रा मेलों और प्रदर्शिनियों में सक्रिय भागीदारी, रोड शो, "भारत को जाने" सेमिनारों एवं कार्यशालाओं के आयोजन द्वारा विदेश स्थित भारत पर्यटन कार्यालयों के माध्यम से विदेशी पर्यटक सृजक बाजारों में संवर्धनात्मक कार्यकलाप।

****